मूल्य 1

वर्षः 14 - अंक : 50, मुंबई, गुरुवार, 11 अप्रैल, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

आप सभी को ईद की दिली मुबारकबाद

EID MUBARAK

सूचना

आप सभी को सूचित किया जाता है कि ईद-उल-फितर के अवसर पर 11 अप्रैल 2024 को दै. मुंबई हलचल का कार्यालय बंद रहेगा। अतः दै. मुंबई हलचल का अगला संस्करण 13 अप्रैल 2024 को प्रकाशित होगा। सभी पठाकों व विज्ञापनदाताओं को ईद-उल-फितर की बहुत-बहुत मुबारकबाद - संपादक

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार की पूरी संपत्ति का खुलासा जरुरी नहीं

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि मतदाताओं या उनकी सार्वजनिक भूमिका के लिए अप्रासंगिक दावों का खुलासा करने के मामले में एक चुनावी उम्मीदवार की निजता का अधिकार बरकरार रहेगा। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उम्मीदवारों को उनके या उनके आश्रितों के स्वामित्व वाली प्रत्येक संपत्ति का खुलासा करना अनिवार्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उन्हें केवल उन संपत्तियों का खुलासा करने की जरूरत है जो उनकी सार्वजनिक छवि या जीवनशैली को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं और मतदाता की पसंद पर असर डालती हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

किस मामले में कोर्ट ने दिया फैसला

सुप्रीम कोर्ट का फैसला उम्मीदवारों की गोपनीयता के अधिकार के लिहाज से महत्वपूर्ण है। शीर्ष अदालत का फैसला अरुणाचल प्रदेश के निर्दलीय विधायक कारिखो क्रि से संबंधित एक मामले की सुनवाई के दौरान आया। शीर्ष अदालत ने 2019 के अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में तेजू से क्रि के चुनाव को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक मतदाता को किसी उम्मीदवार की प्रत्येक संपत्ति के बारे में जानने का पूर्ण अधिकार नहीं है।

बेवफाई का बदला!

गर्लफ्रेंड के नए बॉयफ्रेंड को मारने के लिए भड़के आशिक ने दुकान में कर दिया ब्लास्ट

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड जिले में प्रेम-प्रसंग के मामले में भड़के आशिक ने गर्लफ्रेंड के नए बॉयफ्रेंड को ब्लास्ट से उड़ाने की कोशिश की। जिले के अम्बाजोगाई तालुका में एक दुकान में जिलेटिन को डेटोनेटर से कनेक्ट करने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। सोमवार की रात दुकान में जिलेटिन और डेटोनेटर से ब्लास्ट की खबर सुनकर स्थानीय प्रशासन के भी होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर क्राइम ब्रांच, स्थानीय पुलिस और एटीएस की टीम भी पहुंच गई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

नाना पटोले की कार का ACCIDENT

ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

बोले- हत्या की हुई कोशिश

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले की कार का भयानक एक्सीडेंट हो गया। भंडारा जिले के चुनावी दौरे के दौरान मंगलवार रात करदा गांव के पास उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। सौभाग्य से इस दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ। जब कार ने टक्कर मारी तो सभी लोग कार से बाहर निकल आए और किसी को चोट नहीं आई। लेकिन इसमें कार को काफी नुकसान पहुंचा है। हादसे में नाना पटोले बाल-बाल बच गए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में मौसम की वक्र दृष्टि

एक तरफ भीषण गर्मी तो दूसरी ओर बेमौसम बारिश की मार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। वैश्विक जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का असर लगातार मुंबई सहित राज्य पड़ रहा है। मौसम की अठखेलियों के बीच राज्य में कहीं कड़ी धूप से लोग बेहाल हैं तो कहीं बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने कहर ढाया हुआ है। मुंबई, ठाणे, पालघर में लोग पसीने से तरबतर हो रहे हैं। वहीं विदर्भ, मराठवाडा और मध्य महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चार सौ सीट के जाल में उलझा विपक्ष

विपक्षी पार्टियां लोकसभा चुनाव 2024 में चार सौ सीट के जाल में उलझ गई है। ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जान बूझकर यह जुमला बोला था। उन्होंने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करने के बहाने भाजपा को 370 सीट मिलने का दावा किया और साथ ही इसका ढिंढोरा पीटना शुरू कर दिया कि इस बार के चुनाव में एनडीए को चार सौ से ज्यादा सीटें मिलेंगी। यह बहुत कमाल का संयोग हुआ कि इस साल वोटों की गिनती चार जून को होगी, जिसकी वजह से प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी के नेता यह नारा दे रहे हैं कि चार जून को चार सौ पार। चुनाव आयोग की घोषणा से चार का अनुप्रास बन गया। हैरानी की बात यह है कि भाजपा के साथ साथ कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता भी इसी नारे को बार बार दोहरा रहे हैं। यहां तक मजाक उड़ाने के लिए ही सही लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी भी अबकी बार चार सौ पार का नारा दोहराया, जिसके बाद भाजपा के लोगों ने कहना शुरू किया कि अब तो कांग्रेस अध्यक्ष भी मान रहे हैं कि चार सौ से ज्यादा सीटें भाजपा को मिलेंगी। असल में खड़गे ने कहा था कि भाजपा अबकी बार चार सौ पार का नारा दे रही है लेकिन जनता इस बार उनको दो सौ के नीचे रोक देगी। लेकिन सवाल है कि इस बात को बार बार दोहराने की क्या जरुरत है कि भाजपा कितनी सीटें मिलने का दावा कर रही है? भाजपा या कोई भी पार्टी कुछ भी दावा कर सकती है। लेकिन मुश्किल यह है कि चार सौ सीट का भाजपा का नारा कांग्रेस नेताओं के दिमाग में अटक गया है। तभी राहुल गांधी ने भी कहा कि भाजपा दो सौ सीटों का आंकड़ा नहीं पार करेगी। कांग्रेस के हर नेता का प्रचार इसी बात से शुरू हो रहा है कि भाजपा कह रही है कि चार सौ सीट मिलेगी। इसका नतीजा यह हो रहा है कि आम लोगों के मन में भी यह बात बैठ रही है। उसके अवचेतन में यह बात बैठ रही है कि भाजपा फिर से मजबूत सरकार बनाने वाली है। यह धारणा के स्तर पर विपक्ष को नुकसान पहुंचा सकता है। सिर्फ कांग्रेस इस जाल में नहीं उलझी है, प्रादेशिक पार्टियां भी इसमें फंसी हैं। ऐसी प्रादेशिक पार्टियां, जो गिनती की सीटों पर लड़ रही हैं और एक राज्य की पार्टी हैं उनको भी भाजपा का चार सौ पार का नारा दोहराने में मजा आ रहा है। बिहार में तेजस्वी यादव और उनके साथ दूसरे विपक्षी नेता भी कह रहे हैं कि भाजपा चार सौ सीट की बात कर रही है उसे दो सौ से पहले रोक देंगे। हकीकत यह है कि बिहार में राजद और अन्य विपक्षी पार्टियों को भाजपा की 17 सीटों से कम पर रोकना है। लेकिन वे चर्चा चार सौ सीट की करते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने दावा किया है कि भाजपा को इस बार 180 सीट पर रोक दिया जाएगा। लेकिन इससे पहले वे भाजपा के चार सौ सीट के नारे को भी दोहराती हैं। अगर वे भाजपा को 370 के नीचे रोकना चाहती हैं तो उनको अपने राज्य में भाजपा को 18 सीट मिलने से रोकना होगा। लेकिन उन 18 सीटों की बजाय वे पूरे देश की सीटों की बात कर रही हैं और भाजपा के नारे को आगे बढ़ा रही हैं।

आज ईद-उल-फितर पर विशेष

जंग-ए-बद्र से हुई थी ईद-उल-फितर की शुरूआत

आज जो ईद का पवित्र त्यौहार मनाया जा रहा है उसकी शुरूवात जंग-ए-बद्र के बाद हुई थी। यह जंग-ए-बद्र पैगम्बर मोहम्मद साहब और उनके घोर विरोधी अबू जहल की सेना के बीच हुई थी। इस भीषण हुई जंग में उस समय पैगम्बर मोहम्मद के पास महज केवल 313 अनुयायी थे, जबकि उनके प्रबल विरोधी अबू जहल के पास बड़ी सेना, घुड़सवार, हाथी, घोड़े सब कुछ थे, लेकिन इसके बावजूद भी पैगम्बर मोहम्मद साहब और उनके अनुयायी जंग जीतने में कामयाब हुए थे। पैगंबर मुहम्मद साहब के नेतृत्व में लड़ी गई जंग-ए-बद्र में इतिहास में पहली बार मुसलमानों को विजय मिली थी। बताते हैं कि यह जंग जिस

जगह जंग लड़ी गई थी, वहां बद्र नाम का एक कुआं था। कुएं के नाम पर ही जंग को जंग-ए-बद्र कहा गया। बाद में मुसलमान लोगों ने जीत के जश्न को ईद के रूप में मनाया। जीत की खुशी में लोगों में मीठे पकवान भी बांटे गए। इसी वजह से इसे मीठी ईद भी कहा जाता है। चूंकि जंग-ए-बद्र की शुरूआत रमजान के पहले दिन से हुई थी। इस दौरान पैगंबर मुहम्मद साहब और उनके अनुयायी रोजा थे और जिस दिन जंग खत्म हुई थी ,उसी दिन ईद भी मनाई गई थी। ईद जो कि लोगों को भाईचारे का पैगाम देती है। इस दिन जरूरतमंद लोगों को ईदी और फितरा (दान) देने की परंपरा है, ताकि हर कोई ईद की खुशियां मना सके। ईद की नमाज के बाद परिवार वालों को फितरा दिया जाता है, जिसमें 2 किलो ऐसी चीज दी जाती है, जिसका प्रयोग प्रतिदिन खाने में किया जा सके। इसमें गेंहूं, चावल, दाल, आटा कुछ भी हो सकता है। इसे मीठी ईद भी कहते हैं, क्योंकि रोजों के बाद ईद-उल-फित्र पर जिस पहली चीज का सेवन किया जाता है, वह मीठी होनी चाहिए। वैसे मिठाइयों के लेन-देन, सेवइयों और शीर खुर्मा के कारण भी इसे मीठी ईद कहा जाता है।

अपनी खुशी में दूसरों को शामिल करना ही ईद का पैगाम है

पैगंबर ह. मूसा अलै. के वक्त का वाक्य है कि एक मजदूर दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद भी भरपेट खाना नहीं जुटा पाता था एक बार उसने अल्लाह के पैगंबर ह. मूसा अलै. को अपनी हालत बताई और गुजारिश किया कि वे उसकी फरियाद अल्लाह तक पहुंचाकर उसके गमों की वजह पूछ कर बताएं पैगंबर ह. मूसा अलै. ने ऐसा ही करने की बात कह कर चले गए कुछ दिनों बाद पैगंबर मूसा अलै. फिर मिले मजदूर के पूछने पर पैगंबर ह. मूसा बोले अल्लाह ने कहा है कि तेरी उम्र लंबी है लेकिन तेरी किस्मत में 20 बोरी ही अनाज है इसलिए वह तुझे रोज थोड़ा-थोड़ा मिल रहा है। मजदूर को बात समझ में आ गई इस तरह वक्त गुजरता गया एक दिन पैगंबर ह. मूसा उसे फिर मिले तो मजदूर बोला हजरत बहुत तकलीफ सह लिया अब तो आप अल्लाह से मुझे मेरे हिस्से का बचा हुआ सारा अनाज एक साथ दिलवा दे ताकि मै एक दिन तो मैं भरपेट खाना खा सकूं पैगंबर ह. मूसा अलै. ने हामी भरी और चले गए अगली सुबह जब मजदूर जागा तो उसके घर में अनाज से भरी 10 बोरियां रखी हुई थी मजदूर ने समझा कि अल्लाह ने उसकी फरियाद कबूल कर ली है वह बहुत खुश था क्योंकि उसे मुंह मांगी मुराद मिल गई थी। पहले तो उसने उस अनाज को फकीरों यतीमो जरूरतमंदों लाचारों और विधवाओ में बांटा उसके बाद खुद भी भरपेट खाना खाया उस रात वह बेफिक्र होकर सोया अगली सुबह जगा तो उसने देखा कि उसके घर में उतना ही अनाज फिर पहुंच गया है उसे पहेली समझ में नहीं आई फिर भी उसने अनाज को एक बार फिर मिल बाटकर खाया अब तो सिलसिला चल निकला एक दिन उसे पैगंबर ह. मूसा अलै. फिर नजर आए मजदूर ने उन्हें सारी बात बता कर इस राज के बारे में पूछा तो पैगंबर ह. मूसा अलै. ने बोला अल्लाह के बंदे तूने जो अपनी खुशियां दूसरों के साथ बाटी थी उससे खुश होकर अल्लाह ने तेरे हिस्से की खुशियों को और बढ़ा दी है जो तुझे अनाज के रूप में मिल रही है अब जब तक तू जिंदा रहेगा इसी तरह तुझे अनाज मिलता रहेगा। इसलिए दोस्तों भाइयों कहते हैं कि खुशियों को खुशी खुशी बांटने से खुशी बढ़ती है लेकिन कई लोग अपनी खुशियों को बांटना ही नहीं चाहते क्यों कि उन्हें लगता है कि वह अगर अपनी खुशी बाटेंगे तो उन्हें नजर लग जाएगी और नजर लग जाएगी तो खुशी हाथ से चली जाएगी यदि आप भी ऐसा सोचते हैं तो हम कहना चाहेंगे कि आपकी सोच गलत है खुशी को नजर बांटने से नहीं नहीं लगती बल्कि अल्लाह की ना शुक्रगी और छुपाने से लगती है वैसे भी खुशियां छुपाने से कभी नहीं छुपती कहा भी गया है कि खुशी को कितना ही छुपाने की कोशिश करो वह उजागर हो ही जाती है और जब उजागर हो जाती है तो सामने वाले को दुख पहुंचता है कि आप उसे अपना नहीं समझते तभी तो उससे अपनी खुशियों को छुपा रहे हैं इससे उसके मन में आपके प्रति नकारात्मक भाव उत्पन्न हो जाता है ऐसे में आपकी खुशियां अधूरी रह जाती है क्योंकि जब आपकी अपनी खुशियों में अपने ही शामिल न हो तो वह खुशियां किस काम की इसलिए पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम वसल्लम ने फरमाया जो अपने लिए पसंद करे और अपने भाई के लिए पसंद ना करें वह मुसलमान नहीं (हदीस) इसलिए आज से आप ठान ले कि हमेशा अपनी खुशी अपनी सफलताओं को सिर्फ अपने में ही नहीं रखेंगे दूसरों के साथ भी बाटेंगे अपनी खुशियां बांटने की शुरूआत करने के लिए ईद उल फितर के दिन से बेहतर दिन कोई हो ही नहीं सकता है सभी भाइयों बहनों से मेरे अब्बू अम्मी के लिए एमी हजन जुबेदा बी अब्बू बाबू खान साहब की बख्शीश की दुआ की दरखास्त है कि अल्लाह उनकी बखशीश और मगफिरत फरमाकर उनकी कब्र को नूर के अंजुमन बनाकर जन्नत के बैग में तब्दील फरमाए आलमे बरजख के इल्लीन आला मुकाम अता फरमाकर जहन्नम की आग से कब्र के आजाब से पुलसिरात और मैदाने महशर कि तकलीफो से उनकी हिफाजत फरमाकर अपना अमन और सलामती अता फरमाए और मुझ गुनहगार कि कमियो और खताओं को माफ फरमाए और मुझ पर और आप पर भी अपना करम फरमाए मुबारकबाद आमीन या रब्बुल आलमीन सभी भाइयों बहनों को ईद की बहुत-बहुत मुबारकबाद आपका भाई साजिद खान।

साजिद खान धनपुरी जिला शहडोल मध्य प्रदेश

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'मैंने मुंह खोला तो परिवार के कुछ लोग मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे'

शरद पवार का साथ देने पर भड़के अजित दादा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की बारामती लोकसभा सीट पर दिलचस्प मुकाबला होना तय है। यहां भाभी बनाम ननद की सीधी टक्कर होगी। बारामती शरद पवार की पारंपरिक सीट है। शरद पवार और अजित पवार खेमे के लिए बारामती का चुनाव नाक का सवाल बन गया है। दोनों गुट जोरशोर से प्रचार शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारामती में एक रैली में कहा कि उन्होंने अभी तक राजनीति में गरिमा बनाए रखने के लिए अपने परिवार के किसी भी सदस्य के बारे में बात नहीं की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) प्रमुख अजित पवार ने मंगलवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, अगर मैंने अपना मुंह खोला,

तो मेरे परिवार के कुछ सदस्य किसी को अपना चेहरा दिखाने के लायक नहीं रहेंगे। वे अब की तरह घूम-फिर नहीं पाएंगे। एनसीपी में बगावत के बाद डिप्टी सीएम अजित दादा की चाचा शरद पवार, चाची सरोज पाटिल, भतीजे युगेंद्र और रोहित पवार ने आलोचना की है। जबकि पवार परिवार के अधिकांश सदस्य 83 वर्षीय वरिष्ठ पवार के साथ खड़े है। अजित पवार ने कहा, मेरे भाइयों ने कभी भी मेरे साथ चुनाव में यात्रा नहीं की। लेकिन अब, वे ऐसे घूम रहे हैं जैसे कि उनके पैरों में पहिये लग गए हों। उन्होंने कहा, क्या आप (सुप्रिया सुले के लिए प्रचार कर रहे परिवार के सदस्य) चुनाव खत्म होने के बाद भी ऐसे ही घूमेंगे? उस समय अजित पवार और उनके कार्यकताओं के अलावा बारामती में कोई नहीं दिखेगा। पवार ने कहा कि उनके खिलाफ प्रचार करने वाले रिश्तेदार बरसात के मौसम में उगने वाले मशरूम की तरह हैं। मतदान का मौसम खत्म होते ही वे गायब हो जाएंगे और विदेशी देशों का दौरा करते नजर आएंगे। बता दें कि बारामती के सियासी अखाड़े में शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और बहू सुनेत्रा पवार (अजित पवार की पत्नी) के बीच सीधी टक्कर होगी। पुणे की छह विधानसभा क्षेत्रों में से बारामती और इंदापुर पर अजित पवार गुट का कब्जा है, दौंड और खंडकवासला पर बीजेपी का और भोर व पुरंदर पर कांग्रेस का कब्जा है।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में फिर बलि चढ़ी 4 जिंदगियां,

एक साल में 15 सफाईकर्मियों की मौत!

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के करीब विरार शहर में बड़ा हादसा हुआ है। जहां एक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई के दौरान चार मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विरार पश्चिम में एक आवासीय टाउनशिप प्रोजेक्ट साइट पर बने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में यह हादसा हुआ। चार सफाई कर्मियों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, प्लांट की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने के कारण कथित तौर पर चारों की दम घुटने से मौत हुई। जबकि दो अन्य मजदूर जो उन्हें ढूंढने के लिए प्लांट के पास

गए थे, उन्हें बेचैनी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित वसई के निवासी है। पुलिस ने काम कराने वाली एजेंसी के सुपरवाइजर महादेव कुपाटे को लापरवाही से मौत के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मृतक मजदूर मास्क समेत किसी भी सुरक्षा उपकरण के बिना प्लांट की सफाई करने गए थे, नतीजतन यह हादसा हुआ। यह घटना विरार पश्चिम में ग्लोबल सिटी स्थित संदीपनी प्रोजेक्ट में हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुई जब चार मजदूर 25-30 फीट गहरे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में उतरे। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। मृतकों की पहचान शुभम पारकर (28), अमोल घाटले (27), निखिल घाटले (24) और सागर तेंदुलकर (29) के रूप में हुई। विरार की अनार्ला पुलिस मामले की जांच कर रही है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक महाराष्ट्र में इस तरह के हादसों में 11 लोगों ने जान गंवाई हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

बेवफाई का बदला!

पुलिस ने बताया कि जिस दुकान में ब्लास्ट हुआ है, उस दुकान के मालिक अशोक भालेराव गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस की जांच में पता चला कि जिलेटिन और डेटोनेटर को बिजली के तार से दुकान के पीछे कनेक्ट किया गया था। ऐसे में पुलिस को इस मामले में आपसी रंजिश का शक हुआ था। पीड़ित के बयान के आधार पर पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। इसमें से एक का नाम शेख चांद है, जो इस ब्लास्ट का मास्टर माइंड बताया गया है। उसके साथ ही एक और शख्स जिसने जिलेटिन और अन्य ब्लास्ट सामग्री सप्लाई की थी। उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है। क्राइम ब्रांच ने जब आरोपी शेख चांद से पूछताछ शुरू की तो जो सच्चाई सामने आई वो हैरान करने वाली है। दरअसल, चांद शेख का एक महिला के साथ अफेयर था, लेकिन कुछ महीने पहले महिला ने चांद से ब्रेक अप कर लिया और उसके बाद महिला का अफेयर अशोक भालेराव के साथ हो गया। चांद शेख इस बात से इतना परेशान था की उसे अपनी गर्लफ्रेंड द्वारा अशोक भालेराव के लिए उससे बेवफाई करना बर्दाश्त नहीं हो रहा था।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

एक अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के ब्रेथलाइजर परीक्षण की याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव के दौरान प्रत्येक मतदान केंद्र पर कतार में लगे मतदाताओं का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट कराने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिका खारिज करने के आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा, यह अधिक हद तक प्रचार हित की याचिका है। जनवाहिनी पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई की ओर से पेश वकील ने कहा कि चूंकि आदर्श आचार संहिता लागू है, इसलिए किसी भी मतदाता को शराब के नशे में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। पीठ ने कहा, यह क्या है? यह प्रचार के लिए है। मतदान के दिन सूखा दिवस होता है और हर जगह पुलिस कर्मी तैनात होते हैं। हम इस पर विचार नहीं करेंगे। खारिज। जनवाहिनी पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई ने शुरू में उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने 28 फरवरी को याचिका खारिज कर दी थी।

नाना पटोले की कार का एक्सीडेंट

प्रारंभिक तौर पर अनुमान लगाया जा रहा है कि ट्रक चालक के नियंत्रण खोने के कारण यह हादसा हुआ होगा, हालांकि पुलिस कांग्रेस नेता की दुर्घटना की जांच कर रही है। हादसे के बाद नाना पटोले ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हमारी गाड़ी को जानबूझकर ट्रक ने टक्कर मारी है। हम इससे बच गए, लेकिन कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पटोले ने समझाया कि जनता के आशीर्वाद से हम सुरक्षित हैं, किसी को चिंता नहीं करनी चाहिए। हालांकि, पटोले ने यह भी कहा है कि पुलिस इस बात की जांच करेगी कि यह हादसा हादसा था या नहीं। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि मंगलवार को भंडारा के निकट एक ट्रक ने जानबूझकर उनकी कार को टक्कर मारी गई। हालांकि उन्हें चोट नहीं आई लेकिन वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। जनता के आशीर्वाद से वह सुरक्षित हैं। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस पता लगाएगी कि यह हमला था या कुछ और था। इस बीच, इस हादसे के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने भी इस संबंध में ट्वीट किया है। क्या बीजेपी विपक्षी दल के नेताओं को खत्म कर चुनाव जीतना चाहती है? लोंढे ने ये सवाल नाना पटोले के एक्सीडेंट के बाद पूछा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले मंगलवार रात भंडारा जिले के चुनावी दौरे पर थे, तभी करदा गांव के पास एक ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी और कुचलने की कोशिश की। यह बेहद गंभीर घटना है और क्या उन्हें मारने की साजिश रची गई थी? जनता के आशीर्वाद से नाना पटोले साहब को चोट नहीं आई और वे सुरक्षित हैं।

महाराष्ट्र में मौसम की वक्र दृष्टि

मुंबई में अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आस-पास दर्ज किया जा रहा है। आगामी दिनों में गर्मी बढ़ने की संभावना है। राज्य के अन्य हिस्सों पर गौर करें तो बुधवार को मालेगांव में सबसे अधिक 42 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसी तरह जेउर में 41.5, बीड़ में 40.5, सोलापुर में 40, उस्मानाबाद में 39.9 और सतारा में 39.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राज्य के कई हिस्से सूरज की गर्मी से तप रहे हैं।

महाराष्ट्र में एसयूवी और ट्रक में भीषण टक्कर, 4 कपड़ा व्यापारियों की मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के लातूर जिले में एक भीषण सड़क हादसे में चार व्यापारियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि एक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) और तेज रफ्तार ट्रक के बीच टक्कर हुई। जिसमें मध्य प्रदेश के रहने वाले चार कपड़ा व्यापारियों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना निलंगा-उदगीर मार्ग पर बुधवार दोपहर साढ़े बारह बजे के करीब हुई। ट्रक निलंगा से देवनी की ओर जा रहा थी और एसयूवी विपरीत दिशा से आ रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एसयूवी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

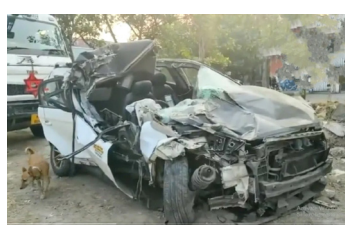

उसमें सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान संजय जैन, राजीव जैन, सचिन उर्फ दीपक कुमार जैन और संतोष जैन के तौर हुई है। सभी की उम्र 40 के आस-पास है। वे मध्य प्रदेश के इंदौर के रहने वाले थे। हादसे की सूचना पुलिस ने परिजनों को दे दी है। अधिकारी ने बताया कि सभी मृतक कपड़े के व्यापारी थे और काम के सिलसिले में लातूर आए थे। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश कर रही है। इस हादसे के संबंध में देवनी पुलिस स्टेशन में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

चाबहार के बाद चीन के दोस्त म्यांमार के साथ हुआ समझौता

विदेशी धरती पर भारत को मिला एक और बंदरगाह पर अधिकार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ईरान के बाद भारत को विदेश धरती पर एक और बंदरगाह ऑपरेट करने का अधिकार हासिल हो गया है। ये देश, चीन का दोस्त रहा है। भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के बाद म्यांमार के सिटवे पोर्ट में अपना दूसरा विदेशी बंदरगाह संचालित करने का अधिकार सुरक्षित कर लिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कालादान नदी पर स्थित पूरे बंदरगाह के संचालन को संभालने के लिए इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल (आईपीजीएल) के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

म्यांमार में भारत के अधिकार में आया बंदरगाह

इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट के बीच एक संयुक्त उद्यम है। इसे विदेशों में बंदरगाहों के विकास के लिए शिपिंग मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत जनवरी 2015 में बनाया और शामिल किया गया था। जहाजरानी मंत्रालय ने वर्तमान में आईपीजीएल को ईरान के चाबहार बंदरगाह पर कंटेनर, बहुउद्देश्यीय टर्मिनलों के उपकरण और ऑपरेशन का काम सौंपा है। सिटवे पोर्ट कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस परियोजना का लक्ष्य कोलकाता के पूर्वी भारतीय बंदरगाह को समुद्र के रास्ते म्यांमार के सिटवे बंदरगाह से जोड़ना है। आगे सिटवे बंदरगाह को कलादान नदी जलमार्ग के माध्यम से म्यांमार के पलेतवा और सड़क मार्ग के जरिए पलेतवा को मिजोरम के जोरिनपुई से जोड़ना है।

पिछले साल हुआ था सिटवे बंदरगाह का उद्घाटन

पिछले साल मई में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और म्यांमार के उपप्रधानमंत्री एडमिरल टिन आंग सान ने संयुक्त रूप से सिटवे बंदरगाह का उद्घाटन किया था और पहले भारतीय मालवाहक जहाज का स्वागत किया था। म्यांमार और चीन के बीच काफी अच्छे संबंध हैं, खासकर म्यांमार में सैन्य शासन स्थापित होने के बाद म्यांमार में चीन ने काफी घुसपैठ की है। म्यांमार के सैन्य शासन को चीन का आशीर्वाद मिला है और ऐसी रिपोर्ट है, कि म्यांमार अपना एक द्वीप, चीन को सैन्य अड्डा बनाने के लिए भी दे सकता है। जो भारत के लिए खतरा साबित हो सकता है।

यह लिंक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा

यह लिंक न सिर्फ पूर्वोत्तर राज्यों में माल भेजने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा, बल्कि कोलकाता से मिजोरम और उससे आगे तक सामान ढोने में होने वाली लागत और दूरी को भी काफी कम कर देगा। इससे सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर निर्भरता भी कम हो जाएगी, जिसे चिकन नेक के नाम से जाना जाता है, जो भूटान और बांग्लादेश के बीच स्थित है।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण की 'बिना शर्त माफी' खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को भ्रामक विज्ञापनों के निरंतर प्रकाशन पर पतंजलि आयुर्वेद को जारी अवमानना नोटिस के जवाब में बाबा रामदेव और कंपनी के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण द्वारा मांगी गई 'बिना शर्त माफी' को खारिज कर दिया। रामदेव और बालकृष्ण द्वारा दायर नवीनतम हलफनामे 'कागज के टुकड़े के अलावा कुछ नहीं' करार देते हुए, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट को दिए गए वचन के उल्लंघन पर कड़ी आपत्ति जताई। पतंजलि ने पहले शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि वह अपने उत्पादों के औषधीय प्रभाव का दावा करने वाला कोई बयान नहीं देगी या कानून का उल्लंघन करते हुए उनका विज्ञापन या ब्रांडिंग नहीं करेगी और किसी भी रूप में मीडिया में चिकित्सा की किसी भी प्रणाली के खिलाफ कोई बयान जारी नहीं करेगी।

भ्रष्ट और बंधुआ मजदूर बने नौकरशाही के मंसूबे ध्वस्त करने होंगे, तभी होगा भारत में निष्पक्ष चुनाव

गुजराती गैंग से देश को आजाद करने तथा, ईवीएम मुक्त चुनाव कराने को न्यायपालिका को पूरा हौसला दिखाना होगा

मधुबनी। देशवासियों लंपट लाल से सावधान ही रहना। चंदूलाल से सावधान ही रहना। यानी बौखलाए रंगा बिल्ला से सावधान रहना है प्रधान मदारी के तरकश में कुछ और तीर हैं। कुछ और तरह के ड्रामा और नौटंकी हैं। सभी चालबाजी से सावधान ही रहना होगा संजय सिंह की रिहाई के बावजूद न्यायपालिका पर इनका भरपूर दबाव कायम है। दबाव का नमूना खुद सुप्रीम कोर्ट ही पेश कर रहा है जब संजय सिंह के खिलाफ कोई सबूत नहीं है और उसको जमानत दी जा रही है तो कोर्ट क्यों बोल रहा है कि जमानत का यह मामला नजीर नहीं बनेगा। उदाहरण नहीं बनेगा। आखिर क्यों नहीं नजीर बनेगा। एक आदमी को बेल दोगे और उसी तरह के दूसरे मामले में दूसरे को साल, डेढ़ साल से जेल में रखोगे। क्यों रखोगे। यह बात कोर्ट ने किसके खौफ में कही क्यों वह दूसरे बेगुनाह लोगों को जमानत नहीं देगा। अभी भी वह सैकड़ों लोगों को 7-8 साल से जमानत नहीं दे रहा है। कई निर्दोष सामाजिक कार्यकर्ताओं को जमानत नहीं दे रहा है इस तरह की दोहरा नीति वह क्यों अपना रहा है। मूल अधिकारों का हनन हो रहा है और ईडी, सीबीआई सालों से कोई अपराध प्रूफ नहीं कर पाई है। तो ऐसे निर्दोष लोगों को बेल देना होगा। जमानत देना होगा कोर्ट ऐसे मामले में डबल रोल नहीं कर सकता। डबल रोल करने की बात भी नहीं बोल सकता। अगर वह बोल रहा है तो इसका मतलब कि वह देश विक्रेताओं के दबाव में है। उसे इस दबाव से मुक्त होना होगा तभी उस पर भरोसा बढ़ेगा आम जनता तथा संपूर्ण विपक्ष को, सिविल सोसाइटी को अपने स्तर से भरपूर दबाव न्यायपालिका पर रखना होगा , ताकि वह निष्पक्ष फैसला दे और मदारी के दबाव में नहीं आवे सालों साल से कई महत्वपूर्ण मामलों में कई फैसला क्यों रिजर्व रखे हैं। सुनवाई पूरा क्यों नहीं करता। 6-7 साल मामला क्यों लटका कर रखता है। क्यों सरकार के पक्ष में ही अब तक दर्जनों फैसला दे चुका है, और अपनी छवि बिगाड़ चुका है इसी क्रम में भ्रष्ट नौकरशाही पर नकेल कसना भी जरूरी है। भ्रष्ट नौकरशाही का काफी बड़ा हिस्सा गुजराती गैंग के कब्जे में है। फर्जी हिंदुत्व वादियों के कब्जे में है। देश विक्रेताओं के लिए वह मैच फिक्सिंग कर रहा है। इलेक्शन को मात्र नूरा कुश्ती बना रहा है। 90 फीसदी जनता को चूना लगाने की तैयारी में वह क्यों है वास्तव में, 10 साल से देश को जबरदस्त ढंग से लूटने के कारण वह पूरी तरह से गैंग का अंग बन गया है। अपना ब्रेनवाश करवा चुका है। अब वह भी भारत में लोकतंत्र का पक्षधर नहीं है। वह भी अडानी अंबानी तथा इन जैसे तीन-चार टॉप के कॉर्पोरेट घरानों का चाटुकार बन चुका है। रिश्वतखोर बनकर उनका पैरवीकार बन चुका है जैसा राहुल गांधी बोल चुके हैं वह इलेक्शन फिक्स कर सकता है। फिक्स मैच करवा सकता है। ईवीएम मशीनों की हेरा फेरी, उसमें जलसाजी के गोरख धंधे को वही लागू करता है और इसी की साजिश कर भी रहा है यह दोगले किस्म का कौम है। दोगले किस्म का गद्दार नस्ल है। इसलिए निष्पक्ष चुनाव के मामले में नौकरशाहों पर कभी कतई भरोसा नहीं करना चाहिए लेकिन यह भी देखा गया कि अफसरशाही डरपोक भी है। इसलिए राहुल की मात्र एक चेतावनी के बाद शीर्ष नौकरशाही की गांव फट गई। आयकर विभाग के तमाम टाप कारिंदे अफसरों की पैंट गीली हो गई और उन लोगों ने डर के मारे कांग्रेस की जुमाने की राशि के वसूली के मामले को रुकवा दिया। बंद खाते भी खुलवा दिए इसी तरह का पूरा दबाव सभी विपक्षी दलों के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं, सिविल सोसाइटी के लोगों को भ्रष्ट नौकरशाही पर बनाए रखना होगा और चुन चुन कर हिसाब लेने के लिए ऐसे भ्रष्ट अफसर की पूरी मुकम्मल लिस्ट बनाते रहनी होगी। यह लिस्ट दिल्ली से लेकर सभी राज्यों में लागू की जाएगी। हर राज्य और केंद्र में बैठे अफसर रूपी इन कार्यकर्ताओं की लिस्ट बनाकर, उन पर भविष्य में तुरंत कार्रवाई करनी होगी इस तरह का काम अभी से ही तुरंत स्टार्ट कर देना चाहिए। तभी निष्पक्ष चुनाव होंगे, वरना यही अफसर ईवीएम के डिब्बे बदलकर उल्टा-पुल्टा रिजल्ट ले आएंगे।इसलिए इन खतरनाक राक्षसों और महा डकैतों के गठजोड़ को तुरंत तोड़ना होगा राम सुदिष्ट यादव वोटर जागरूकता समिति बिहार इकाई।

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश...ममता सरकार को 'झटका'

संदेशखाली में महिलाओं के उत्पीड़न और जमीन पर कब्जे की जांच करेगी सीबीआई

मुंबई हलचल / कोलकाता

अब कलकत्ता हाईकोर्ट ने संदेशखाली में महिलाओं पर हुए अत्याचार और जमीन कब्जाने के आरोपों की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है।

संदेशखाली में ईडी के अधिकारियों पर हुए हमले की जांच भी सीबीआई द्वारा ही की जा रही है। संदेशखाली मामले में भी टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके साथियों पर आरोप हैं। शाहजहां शेख ईडी टीम पर हमले का भी आरोपी है। बीते गुरुवार को उच्च न्यायालय ने संदेशखाली की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने संदेशखाली में हिंसा के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान करे। कोर्ट ने कहा था कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार दोनों को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि यहां 100 फीसदी जिम्मेदारी सत्तारूढ़ सरकार की है। अगर किसी नागरिक की सुरक्षा खतरे में है तो सरकार जिम्मेदार है। अगर पीड़ित पक्ष की वकील जो भी कह रही हैं, उसमें एक फीसदी की भी सच्चाई है तो यह बेहद शर्मनाक है।

◆ बीते गुरुवार को उच्च न्यायालय ने संदेशखाली की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई थी

संदेशखाली मामले में भी टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके साथियों पर आरोप हैं। शेख ईडी टीम पर हमले का भी आरोपी है

बारूद के ढेर पर बैठा बंगाल : घोष

राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ टीएमसी कर रही है 'बड़ा खिलवाड़'

पश्चिम बंगाल में भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने कहा कि बंगाल बारूद के ढेर पर बैठा है और यहां कभी भी हालात बिगड़ सकते हैं। दिलीप घोष ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को बंगाल में देश विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक करने की जरूरत है। भाजपा नेता ने टीएमसी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया। एक इंटरव्यू में दिलीप ने कहा कि बंगाल में आर्थिक घोटालों और आंतकी मॉड्यूल में गहरा संबंध है। घोष ने कहा कि 'पश्चिम बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है, जहां कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। यहां जो घटनाएं घट रही हैं, वो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। राज्य में बम बनाने की फैक्ट्रियां चल रही हैं और आतंकी मॉड्यूल से पता चलता है कि राज्य घुसपैठियों और देश विरोधी तत्वों के लिए सुरक्षित जगह बन गया है।

क्या है संदेशखाली मामला?

संदेशखाली में स्थानीय महिलाओं ने आरोप लगाए थे कि स्थानीय टीएमसी नेताओं ने जबरन उनकी जमीन पर कब्जा कर रखा है। कुछ महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर दुष्कर्म के गंभीर आरोप भी लगाए। भाजपा ने राज्य पुलिस पर भी पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करने के आरोप लगाए। भारी दबाव के बाद बंगाल पुलिस ने बीती 29 फरवरी को मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को गिरफ्तार किया। होईकोर्ट में मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई। ऐसे में हाईकोर्ट के आदेश के बाद शाहजहां शेख को सीबीआई को सौंप दिया गया।

2021 के चुनावों की हकीकत कनाडा के जांच आयोग ने बताई

ट्रूडो के उड़े होशः जांच आयोग ने कहा भारत नहीं चीन ने किया था हस्तक्षेप

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उस समय होश उड़ गए जब उन्ही के देश ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट कर दिया कि कनाडा में हुए 2021 के चुनाव में भारत का कोई हस्तक्षेप नहीं था। भारत में बे म त ला ब शक किया ग या । हकीकत तो यह है कि इस पूरे मामले में चीन का हाथ है। आयोगी की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि जस्टिन ट्रूडो द्वारा जीते गए 2021 के चुनावों में भारत ने नहीं, बल्कि चीन ने हस्तक्षेप किया था। यह रिपोर्ट इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह कनाडा की एजेंसियों ने ही तैयार की है। ऐसे में जस्टिन ट्रूडो को अब अपने आरोपों पर कुछ तो शर्म जरूर आ रही होगी, जो भारत पर बेबुनियाद तौर पर आशंका जाहिर कर रहे थे।

- रिपोर्ट के बाद विपक्ष ने ट्रूडो को घेरा

कनाडा में 2021 के चुनाव में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए कहा था कि चुनावों में भारत हस्तक्षेप कर रहा है। जांच आयोग ने इस मामले की जांच की तो पता चला कि भारत नहीं चीन का हाथ है।

खास बातें

- बेबुनियाद आरोप लगाने वाले पीएम जस्टिन ट्रूडो हुए शर्मसार
- कनाडा के अधिकारियों ने कहा-भारत पूरी तरह बेदाग

विपक्ष के दबाव में गठित हुई थी जांच

विपक्षी विधायकों के दबाव के बाद जस्टिन ट्रूडो ने विदेशी हस्तक्षेप पर एक जांच आयोग का गठन किया था। इसमें चीन की संभावित भूमिका पर रिपोर्ट आने से ट्रूडो नाखुश हैं। पहले आरोप लगाया गया था कि भारत ने 2021 के इस चुनाव में हस्तक्षेप का प्रयास किया था, जिसे जस्टिन ट्रूडो ने 2021 में जीता था। मगर चुनावों की निगरानी करने वाले कनाडाई अधिकारियों के एक पैनल ने ऐसे आरोपों को खारिज कर दिया। हालांकि इसमें यह बात सामने आई कि 2019 और 2021 में हुए चुनावों में भारत ने नहीं, बल्कि चीन ने हस्तक्षेप किया था।

निज्जर मामले में कनाडा लगा चुका है भारत पर आरोप

पिछले साल सितंबर में कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने हाउस ऑफ कॉमन्स में अपने भाषण के दौरान खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। इस आरोप ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों पर एक महत्वपूर्ण असर डाला है। दोनों देशों ने वरिष्ठ राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था और भारत ने कुछ समय के लिए वीजा संचालन रोक दिया था। तब से, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने कई मौकों पर मुलाकात की, लेकिन राजनयिक क्षेत्र में बहुत कम प्रगति देखी गई है।

कनाडा के अधिकारियों ने भारत को दी क्लीन चिट

आरोपों की जांच पूरी होने पर अब खबर आई है कि जांच में शामिल अधिकारियों को भारत का कोई एंगल नहीं मिला, लेकिन, जांच के नतीजों में पाया गया कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) ने चुनावों को प्रभावित किया था। उम्मीद थी कि प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो एक सरकारी वकील के सामने पेश होंगे। एक चुनाव अधिकारी ने जांच पैनल को बताया, मुझे नहीं लगता कि अभियान में उन उपकरणों का उपयोग करने वाली भारत सरकार के खिलाफ कोई सबूत है। वहीं भारत भी कनाडा के चुनावों में अपने किसी भी हस्तक्षेप के आरोप को खारिज कर चुका है।

कनाडा भारतीय मामलों में करता है हस्तक्षेप

यह रिपोर्ट सामने आने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रूडो पर वार किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा- हमने मीडिया रिपोर्ट देखी हैं, कनाडाई आयोग विदेशी हस्तक्षेपों की जांच कर रहा है... हम कनाडाई चुनावों में भारतीय हस्तक्षेप के ऐसे निराधार आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। अन्य देशों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना भारत सरकार की नीति नहीं है। इसके विपरीत, यह कनाडा है, जो हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। गौरतलब है कि नवीनतम निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं जब ट्रूडो द्वारा गई दिल्ली के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बाद भारत और चीन के बीच संबंध एक नए निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तेजी से निवेशकों की पूंजी 2.27 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

एफएमसीजी, ऊर्जा तथा धातु शेयरों में लाभ से बाजार में रही तेजी

बीएसई 354 अंक चढ़कर 75,038.15 अंक पर बंद

सेंसेक्स पहली बार 75,000 अंक के ऊपर बंद, निफ्टी भी नए शिखर पर

मुंबई हलचल / मुंबई

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 354.45 अंक की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 75,038.15 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 421.44 अंक की तेजी के साथ 75,105.14 अंक के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 111.05 अंक की बढ़त के साथ 22,753.80 अंक के अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।

पहली बार 75 हजार के पार सेंसेक्स बंद

उल्लेखनीय है कि दोनों मानक सूचकांक मंगलवार को कारोबार के दौरान सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गये थे। सेंसेक्स पहली बार 75,000 के ऊपर पहुंचा था। लेकिन बाद में मुनाफावसूली से यह नुकसान में रहा था।

स्माल व मिड कैप में अच्छी तेजी रही

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। इसका कारण छोटी (स्मॉल कैप), मझोली (मिड कैप) और बड़ी कंपनियों (लार्ज कैप) के शेयरों में अच्छी तेजी का होना है...।' उन्होंने कहा कि निवेशकों की नजर फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े पर है।

निफ्टी 111 अंक बढ़कर 22,753.80 अंक के उच्चतम स्तर पर

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 354 अंक चढ़कर पहली बार 75,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। मुख्य रूप से दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), ऊर्जा तथा धातु शेयरों में लाभ से बाजार में तेजी रही।

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स के शेयरों में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नेस्ले प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में मारुति, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं।

एशियाई बाजार में मिला-जुला रुख

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में जबकि हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। दक्षिण कोरिया में चुनाव के कारण बाजार बंद रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट मंगलवार को कमोबेश लाभ में रहा।

निवेशकों का मुनाफा 2.27 लाख करोड़ बढ़ा

निवेशकों की संपत्ति में 2.27 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस तेजी के बीच बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 2,27,024.52 करोड़ रुपये बढ़कर 4,02,19,353.07 करोड़ रुपये (4.83 लाख करोड़ डॉलर) के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्यांकन सोमवार को पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये के आगे निकला था।

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर 20 प्रतिशत टूटा

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयर में बुधवार को 20 प्रतिशत की गिरावट आई। उच्चतम न्यायालय के दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को राहत देने के बीच कंपनी के शेयर में गिरावट आई। बीएसई पर कंपनी शेयर 19.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 227.40 रुपये पर बंद हुआ। यह इसका निचला सर्किट स्तर है। एनएसई पर यह 20 प्रतिशत गिरकर 227.60 रुपये पर रहा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,250.02 करोड़ रुपये घटकर 9,008.02 करोड़ रुपये रह गया।

कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइल हवाई खतरे को खत्म करने की रखती है ताकत, पाकिस्तान और चीन की सीमा पर होंगी तैनात

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत के पड़ोसी देश सीमा पर हेलिकॉप्टर करने से पहले सोचेंगे। भारत को रूस से 24 आधुनिक इग्ला-एस मैनपैड्स मिसाइल मिली हैं। 100 मिसाइलों का पहला बैच प्राप्त हो गया है। रूस से इग्ला-एस मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम का मिलना, एक बड़े समझौते का हिस्सा है, जिसका मकसद भारत की बहुत कम दूरी की वायु रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना है। यह खास तरह के एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम हैं, जो किसी भी तरह के हवाई खतरे को नष्ट कर सकते हैं। बता दें, भारतीय सेना ने पिछले साल नवंबर में 120 लॉन्चर और 400 मिसाइलों के लिए रूस के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे। पहला बैच भारत आ गया है।

मिसाइल की नोक पर 1.17 किलो का विस्फोटक

मिसाइल की मारक क्षमता 5 से 6 किलोमीटर तक

मिसाइल का वजन
10.8 किलो

पूरे सिस्टम का वजन
18.0 किलो

सिस्टम की लंबाई
5.16 फीट

मिसाइल की गति
2266 किलोमीटर प्रति घंटा

आकाश में जाने की ऊंचाई
अधिकतम 11 हजार फीट

भारत में बनेंगी ये मिसाइलें
लाइसेंस का हुआ समझौता

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

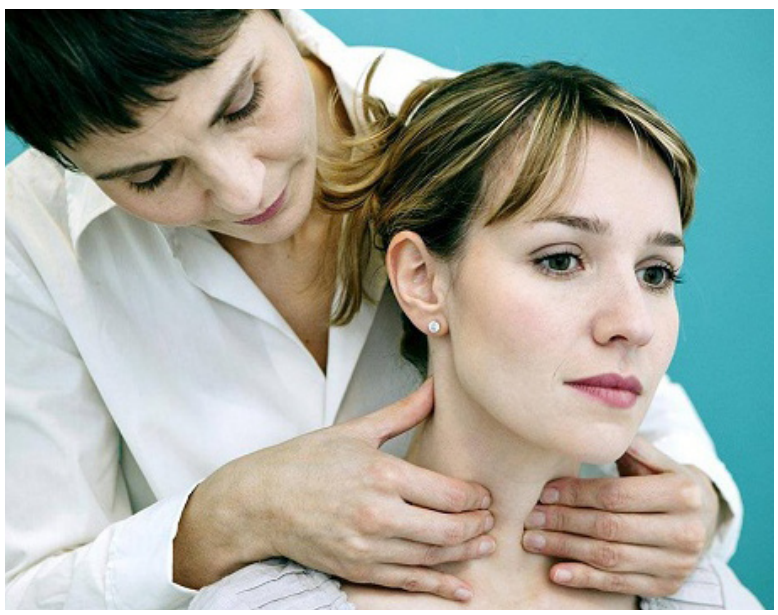

थायराइड की वजह से बढ़ रहा है वजन तो ऐसे करे कम

आजकल के बिजी शेड्यूल और खान-पान की बदलती आदतों के कारण लोगों में थायराइड की समस्यां बढ़ती जा रही है। थायराइड के कारण कुछ लोगों का वजन इतना बढ़ जाता है कि उनके लिए कोई भी काम करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में मोटापा कम न होने के कारण थायराइड के साथ-साथ आपको कई ओर प्रॉब्लम का सामना भी करना पड़ सकता है। आइए जानते है इसके कारण बढ़ रहें मोटापे को आप कैसे कम कर सकते है।

1. एल्कोहल का सेवन

थायराइड की परेशानी होने पर एल्कोहल का सेवन करने से भी आपका मोटापा बढ़ जाता है। इसके अलावा इससे आपका एनर्जी लेवल कम हो जाता है और रात को नींद न आना, बेचैनी और घबराहट जैसी समस्याएं हो जाती है।

2. समय पर दवाई लेना

थायराइड की दवा नियमित और सही समय पर लेने से आपका वजन नहीं बढ़ता। कुछ लोग थायराइड की समस्यां को मामूली समझ कर इग्नोर कर देते है। इसमें दी जाने वाली एंडरएक्टिव दवाओं से वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए इनका सेवन जरुर करें।

3. हेल्दी भोजन

थायराइड में वजन कम करने के लिए रोजाना समय पर हेल्दी भोजन लें। अपने भोजन में सब्जियां और फल को शामिल करें। इसके अलावा वसायुक्त डेयरी उत्पादों और प्रोटीन खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

4. नियमित व्यायाम

इस बीमारी के कारण बढ़ रहें मोटापे को कम करने के लिए नियमित व्यायाम करें। सप्ताह में कम से कम पांच दिन तीस मिनट रोज व्यायाम या स्विमिंग करने से आपका मोटापा गायब हो जाएगा।

5. जूस पीना

थायराइड में चाय का अधिक सेवन करने से भी मोटापा बढ़ जाता है। इसके बजाए आप रोजाना चुकंदर, अनानास और सेब से बना जूस पी सकते है। रोजाना इसे पीने से आपका मोटापा भी कम हो जाएगा और आपको एनर्जी भी मिलेगी।

लहसुन का अधिक सेवन करने से होती हैं ये बीमारियां

लहसुन का इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है। इससे खाने का स्वाद दोगुना हो जाता है। लहसुन में कई तरह के एंटीबैक्टीरियल गुण भी होते हैं जो सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं लेकिन इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से शरीर को नुकसान भी पहुंचता है। आज हम आपको लहसुन से होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में बताएंगे।

1. लीवर को नुकसान

शरीर के सभी अंगों को सही तरीके से चलाने के लिए लीवर का अहम काम है। ऐसे में लीवर का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है लेकिन लहसुन का अधिक सेवन करने से लीवर को नुकसान पहुंचता है। लहसुन में मौजूद ऑक्सीडैंट गुण शरीर में विषैले पदार्थों को एकत्रित कर देते हैं जो लीवर पर बुरा असर डालते हैं।

2. सांसों की बदबू

अक्सर देखा जाता है कि लहसुन को जब कच्चा खाया जाता है तो मुंह में से बदबू आने लगती है जो थोड़ी देर बाद ठीक हो जाती है लेकिन जब रोजाना और ज्यादा मात्रा में लहसुन खाया जाए तो हमेशा के लिए सांसों में से बदबू आने लगती है। इसमे कुछ कैमिकल होते हैं जो मुंह की बदबू का कारण बनते हैं।

3. जी मचलाना

कुछ लोग एसिडिटी से बचने के लिए सुबह खाली पेट लहसुन की 2 कलियां खाते हैं लेकिन खाली पेट इनका सेवन करने से उल्टी, जी मचलाना या सीने में जलन की समस्या हो जाती है।

4. एक्जिमा

खाने में लहसुन का अधिक इस्तेमाल करने से त्वचा संबंधी कई समस्याएं हो जाती हैं। इन्हीं में से एक है एक्जिमा, जिसमें स्किन लाल हो जाती है और रैशेज पड़ जाते हैं। लहसुन में एलियिन लाइसे एंजाइम होता है जिससे त्वचा पर जलन होने लगती है।

अकेले होने पर आ जाए हार्ट अटैक तो इस तरह करे इलाज

डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और थायराइड के मरीजों को दिल के दौरे का खतरा सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में घर पर किसी के न होने पर दिल का दौरा पड़ने से आपकी जान भी जा सकती है। इसलिए इस तरह के मरीजों के लिए सावधानी बरतना बहुत जरुरी होता है। आज हम आपको ऐसे उपाएं बताने जा रहें जिससे अकेले में दिल का दौरा पड़ने पर आप खुद भी कर सकते है।

दिल के दौरे के संकेत

इसके उपाएं जानने से पहले इसके लक्षण जानना आपके लिए बहुत ही जरुरी है। अगर आपको सीने में दर्द, भारीपन, बाजू, गर्दन, जबड़े, पीठ और पेट में दर्द महसूस हो तो ये दिल के दौरे का संकेत हो सकता है।

ऐसे करें अकेले इलाज

☞साने में तेज दर्द शुरु होने के बाद यह धीरे-धीरे आपके कंधे और जबड़ो में जाता है और आप बेहोश हो जाते है। अगर आपके सीने में दर्द हो रहा है तो सबसे पहले को एम्बुलेंस को कॉल करें।

☞कॉल करने के बाद आप आराम से कुर्सी पर बैठ जाएं और अगर आपने टाइट कपड़े पहने है तो उसे उतार दें।

☞गहरी और लंबी-लंबी सांस लेते रहें ताकि फेफड़ों में ऑक्सीजन की कमी न हो। अगर घर में अगर ऐस्पिरिन है तो उसे चबा लें।

☞नाइट्रोग्लिसरीन की 1 गोली जीभ के नीचे रख लें। अगर दर्द कम नहीं होता तो 15 मिनट बाद एक ओर गोली जीभ के नीचे रख लें।

आखिर क्यों पड़ते है आंखों के नीचे डार्क सर्कल?

डार्क सर्कल्स की समस्या किसी एक की नहीं, बल्कि बहुत सी महिलाओं की हैं। इससे आंखें भी बेकार लगने लगती है। महिलाएं डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए तरह-तरह के ट्रीटमेंट तो अपनाती है लेकिन इनकी वजह जानने की कोशिश नहीं करती। अगर आपको डार्क सर्कल्स के कारण पता होंगे, तभी आप इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकती है। अधिकतर लोगों का मानना है कि पर्याप्त नींद न लेने की वजह से आंखों ने नीचे काले घेरे पड़ जाते है लेकिन इसके अलावा भी बहुत से कारण है जो डार्क सर्कल्स को बढ़ावा देते है।

▶▶ मेकअप

आंखों के नीचे की स्किन काफी मुलायम और पतली होती है, जिसपर एलर्जी होने का खतरा बना रहता है। जब आप आईमेकअप प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते है तो भी आंखों के नीचे की स्किन काली पड़ जाती है।

▶▶ बीमारी

डार्क सर्कल्स का कारण एनीमिया और किडनी में गड़बड़ी भी हो सकती है। जब शरीर में खून की कमी होने लगती है तो आंखों के नीचे डार्क सर्कल पड़ने लगते है।

▶▶ थकान और अनिंद्रा

यदि आप सारा दिन शारीरिक और मानसिक रूप से काम करते है तो भी आंखों के नीचे काले घेरे पड़ सकते है। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेना भी इसका कारण है।

▶▶ पानी की कमी

दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से चेहरे का ग्लो बढ़ता है। अगर आप कम पानी पीती है तो इससे चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल्स नजर आने लगते है। इसलिए बेहतर ही की दिन में कम से कम 7-8 गिलास पानी पीएं।

▶▶ पिगमेंटेशन

तेज धूप में ज्यादा समय बिताने से स्किन पर डार्क स्पॉट पड़ जाते है। इसी वजह से आंखों के नीचे भी डार्क रंग के घेरे पड़ जाते है। इसलिए धूप में जाने से पहले चश्मा जरूर पहने।

▶▶ खराब लाइफस्टाइल

खराब लाइफस्टाइल भी डार्क सर्कल्स को बढ़ावा देता है। अगर आप ज्यादा धूम्रपान या शराब का सेवन करते है तो इस समस्या से गुजरना पड़ सकता है।

दैनिक
मुंबई हलचल

मुंबई, गुरुवार
11 अप्रैल, 2024

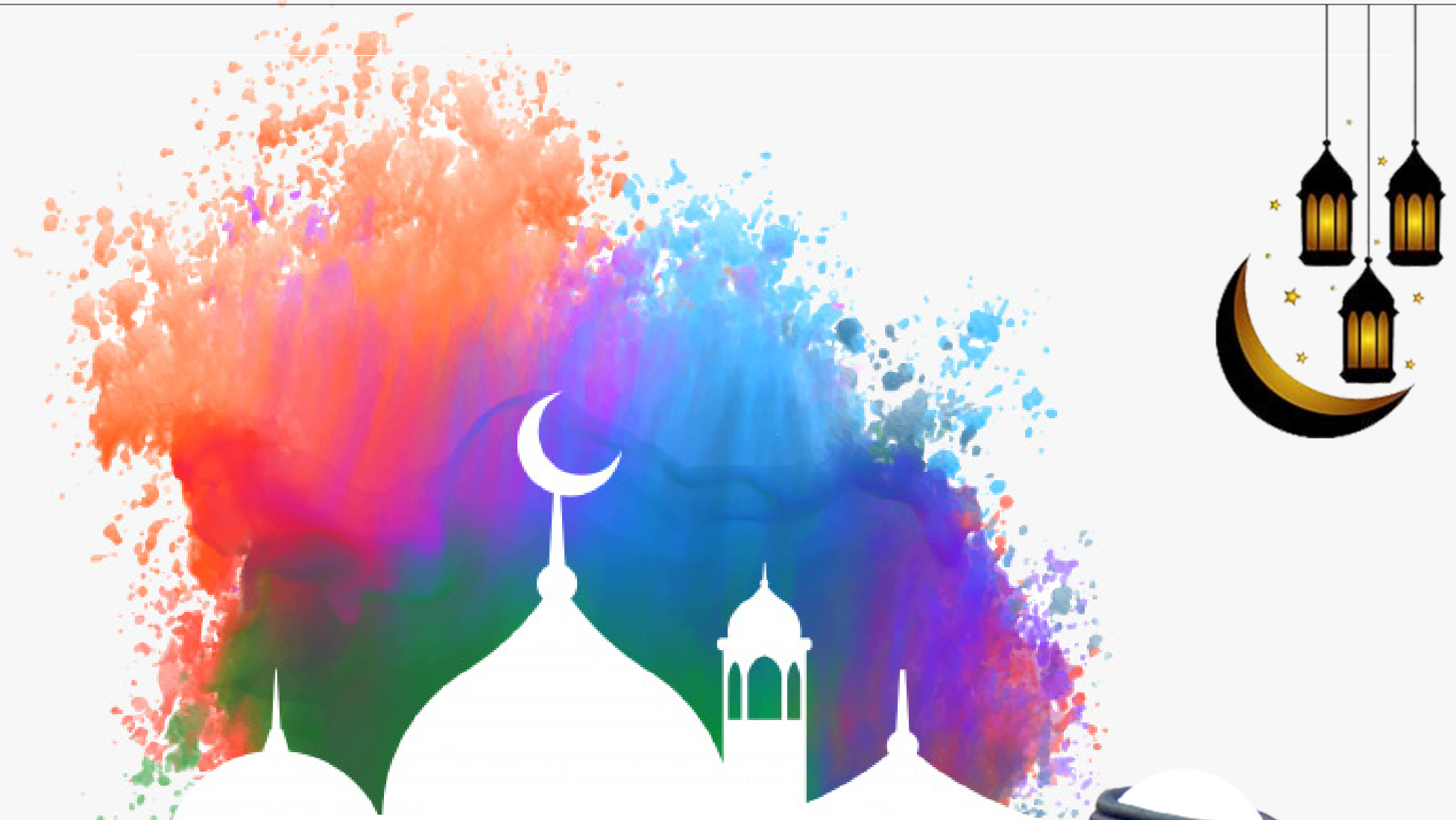

दिलशाद एस. खान

संपादक - दै. मुंबई हलचल

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र अध्यक्ष व प्रभारी (एबीपीएसएस)